Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Answer Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–7307

PAPER–II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम्—IIप्रश्नपत्र—II

PAPER—II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** (50) बहुविकल्पीयप्रश्नाः सन्ति। तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्। **सर्वे** प्रश्नाः उत्तरणीयाः।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. उत्तरम् अन्वेषणीयम् :

उत्तर बताइए

Answer Correctly

R जन्माङ्गचक्रस्य द्वितीयभावाद् धनविचारः क्रियते ।

S जन्माङ्गचक्रस्य पञ्चमभावाद् व्ययविचार : क्रियते ।

(A) R शुद्धः S अशुद्धः

(B) R अशुद्धः S शुद्धः

(C) उभौ शुद्धौ

(D) उभौ अशुद्धौ

2. सूर्यस्य संक्रमणे उत्तरगोलः भवति -

सूर्य के संक्रमण से उत्तरगोल होता है -

In the tramsition of सूर्य, उत्तरगोल occurs in -

(A) मेषे

(B) वृषभे

(C) मिथुने

(D) सिंहे

3. पापग्रह: अस्ति

पापग्रह होता है –

पापग्रह is

(A) वुध:

(B) शुक्र:

(C) रवि:

(D) चन्द्र:

4. नक्षत्राणि भवन्ति –

नक्षत्र होते है –

The नक्षत्रs are

(A) षोडश

(B) सप्तदश

(C) सप्तविंशति:

(D) षड् विंशति:

5. अधिमासो भवति –

अधिमास होता है –

अधिमास is -

(A) ससंक्रान्तिमास:

(B) असंक्रान्तिमास:

(C) द्विसंक्रान्तिमास:

(D) अन्य: मास:

6. भूमे: समीपतमा कक्षावर्ततेअस्य –

इसकी कक्षा भूमि से निकटतम है –

its कक्षा is the nearest to भूमि –

(A) सूर्यस्य

(B) चन्द्रस्य

(C) भौमस्य

(D) बुधस्य

7. एकस्मिन कल्पे महायुगानि भवन्ति –

एक कल्प में महायुग होते हैं –

महायुगs occur in this कल्प

(A) 10

(B) 100

(C) 500

(D) 1000

8. भूभ्रमणसिद्धान्त अनेन प्रतिपादितः –

भूभ्रमणसिद्धान्त इन्होंने प्रतिपादित किया –

This author has diseussed भूभ्रमणसिद्धान्त

(A) भास्करेण

(B) आर्यभटेन

(C) भट्टकमला करेण

(D) गणेश दैवज्ञेन

9. प्रगृह्यसंज्ञाविधायकं सूत्रं वर्तते –

प्रगृह्यसंज्ञाविधायक सूत्र है –

The सूत्र defining प्रगृह्यसंज्ञा is

(A) अदसो मात्

(B) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्

(C) निपात एकजनाङ्

(D) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम् ।

10. वृद्धिसंज्ञकाः वर्णाः भवन्ति ।

वृद्धिसंज्ञक वर्ण होते हैं

They are called वृद्धिसंज्ञक letters

(A) आ, ऐ, औ

(B) अ, इ, उ

(C) अ, ए, ओ

(D) इ, उ, ए

11. उपमानपूर्वपदकर्मधारयस्य उदाहरणं भवति ।

उपमानपूर्वपदकर्मधारय का उदहरण है –

It is an example for उपमानपूर्वपदकर्मधारय compound -

(A) कृष्णसर्पः

(B) घनश्यामः

(C) देवब्राह्मणः

(D) नीलोत्पलम्

12. "झलां जश् झशि" इति सूत्रं अस्मिन् प्रकरणे पठितम् ।

"झलां जश् झशि" यह सूत्र प्रकरण में पठित है –

The aphorism "झलां जश् झशि" is read in this प्रकरण –

(A) समासप्रकरणे

(B) तद्धितप्रकरणे

(C) सन्धिप्रकरणे

(D) कृदन्तप्रकरणे

13. मीमांसासूत्रे आलोचितानां लक्षणानां संख्या –

मीमांसासूत्र में आलोचित लक्षणों की संख्या है –

The number of लक्षणs discussed in मीमांसासूत्र is -

(A) पञ्च

(B) दश

(C) एकादश

(D) चत्वारि

14. भाट्टमीमांसाया : प्रतिपादयिता भवति –

भाट्टमीमांसा का प्रतिपादक है ।

The propounder of भाट्टमीमांसा is -

(A) कुमारिल :

(B) प्रभाकर :

(C) जयन्तभट्ट :

(D) कणाद :

15. अनुपलब्धिप्रमाणं स्वीकुर्वन्ति –

अनुपलब्धि को प्रमाण मानते है –

अनुपलब्धि is admitted as a प्रमाण by -

(A) वैशेषिका :

(B) प्राभाकरा :

(C) नैयायिका:

(D) भाट्टा:

16. विशेषपदार्थो वर्तते –

विशेषपदार्थ होता है –

The category of विशेष is present in -

(A) अनित्यद्रव्येषु

(B) नित्यद्रव्येषु

(C) गुणेषु

(D) समवाये

17. ईश्वरास्तित्वे प्रमाणं भवति –

ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण है

The proof for the existence of ईश्वर is -

(A) अनुपलब्धि:

(B) प्रत्यक्षम्

(C) अनुमानम्

(D) उपमानम्

18. तत्त्वचिन्तामणे: टीकाकारो भवति –

तत्त्वचिन्तामणि का टीकाकार है –

The commentator of तत्त्वचिन्तामणि is -

(A) शालिकनाथ:

(B) मथुरानाथ:

(C) वाचस्पति:

(D) शङ्कराचार्य:

19. समुचितमुत्तरं देयम्

ठीक उत्तर दीजिए

Answer Correctly

R सांख्ये पुरूषबहुत्वं प्रतिपादितम्

S सांख्यदर्शने प्रधानस्य बहुत्वं मतम्

(A) R अशुद्धः S शुद्धः

(B) R शुद्धः S अशुद्धः

(C) उभावशुद्धौ

(D) उभौ शुद्धौ

20. सत्कार्यवादसाधको हेतु र्भवति –

सत्कार्यवाद की सिद्धि का हेतु है –

A ground establishing सत्कार्यवाद is

(A) संघातपरार्थत्वात्

(B) कारणभावात्

(C) अयुगपत् प्रवृत्तेः

(D) भोक्तृभावात्

21. पतञ्जलिमते योगस्य लक्षणं भवति –

पतञ्जलि के मत में योग का लक्षण है

The definition of योग, according to पतञ्जलि is -

(A) कर्मसु कौशलम्

(B) युतसिद्धयोः सम्बन्धः

(C) चित्तवृत्तिनिरोधः

(D) सन्निकर्षविशेषः

22. चित्त भूमय आलोचिता अत्र –

इसमें चित्त भूमियों की आलोचना है –

Here the चित्तभूमिs are diseussed -

(A) न्यायदर्शने

(B) वैशेषिकदर्शने

(C) मीमांसादर्शने

(D) योगदर्शने

23. विवर्त्तवाद: कस्य दर्शनस्य सिद्धान्त: ?

विवर्त्तवाद किस दर्शन का सिद्धान्त है ?

in which दर्शन does विवर्त्तवाद सिद्धान्त occur ?

(A) योगदर्शनस्य

(B) पूर्वमीमांसादर्शनस्य

(C) वेदान्तदर्शनस्य

(D) सङ्ख्यदर्शनस्य

24. नागार्जुन: प्रवर्तक: अस्ति –

नागार्जुन प्रवर्तक है –

नागार्जुन is the founder of -

(A) शून्यवादस्य

(B) स्याद्वादस्य

(C) अद्वैतवादस्य

(D) द्वैतवादस्य

25. परिणामवाद : सिद्धान्त: वर्तते ।

परिणामवाद सिद्धान्त है :

परिणामवाद सिद्धान्त is here :

(A) नैयायिकानाम्

(B) वेदान्तिनाम्

(C) मीमांसकानाम्

(D) सांख्यानाम्

26. शुक्लयजुर्वेदस्य कति शाखा : ?

शुक्लयजुर्वेद के कितने शाखा है ?

How many शाखाs of शुक्लयजुर्वेद are there ?

(A) पञ्चदश

(B) एकादश

(C) षोड़श

(D) नव

27. वाजसनेय: क: ?

वाजसनेय कौन है ?

Who is वाजसनेय ?

(A) मनु:

(B) याज्ञवल्य:

(C) गौतम:

(D) वशिष्ठ:

28. धर्मे मूल प्रमाणं किम् ?

धर्म का मूलप्रमाण कौन है ?

What is the मूलप्रमाण for धर्म ?

(A) वेद:

(B) चार्वाकदर्शनम्

(C) लोकाचार:

(D) एतेषु किमपि न

29. यजुर्वेदस्य कति भेदा : ?

यजुर्वेद का भेद कितने है ?

How many branches of यजुर्वेद are there ?

(A) 2

(B) 5

(C) 3

(D) 9

30. वेदान्तेऽस्मिन् वायुजीवोत्तमत्वं निरूपितम् –

इस वेदान्त में वायुजीवोत्तमत्व का निरूपण किया है –

The theory वायुजीवोत्तम is justified in this Vedānta -

(A) द्वैतवेदान्तः

(B) शुद्धाद्वैतवेदान्तः

(C) भेदाभेदवेदान्तः

(D) विशिष्टाद्वैतवेदान्तः

31. "सत्तर्कदीपावलिः" इति ग्रन्थस्य कर्ता

"सत्तर्कदीपावलि" नामक ग्रन्थ का रचयिता है –

The author of the text सत्तर्कदीपावलि is

(A) व्यासतीर्थः

(B) राघवेन्द्रतीर्थः

(C) पद्मनाभतीर्थः

(D) जयतीर्थ :

32. भगवतः विष्णोः सदागमैकविज्ञेयत्वं ग्रथेऽस्मिन् उपपादितम् –

'भगवान् विष्णु सदागमैकविज्ञेय है' यह तत्व का निरूपण इस ग्रन्थ में हुआ है –

"Lord Vishnu is known by सदागम only" this view is established in the text -

(A) कथालक्षणम्

(B) उपाधिखण्डनम्

(C) विष्णुतत्त्वनिर्णय :

(D) जयन्तीनिर्णयः

33. दायभागग्रन्थः केन लिखितः ?

दायभागग्रन्थ का लेखक कौन है ?

Who is the author of दायभाग ?

(A) विज्ञानेश्वरेण

(B) रघुनन्दनेन

(C) जीमूतवाहनेन

(D) नीलकण्ठेन

34. पुत्रेसु कः श्रेष्ठः ?

पुत्रों में कौन सा श्रेष्ठ होता है ?

Who is the best among the different types of sons ?

(A) दत्तकः

(B) कृत्रिमः

(C) अपविद्ध

(D) औरसः

35. कति संस्काराः गौतमेन प्रतिपादिता :

गौतम ने कितने संस्कार प्रतिपादित किये है ?

How many संस्कारs are discussed by Gautama ?

(A) त्रयोदश

(B) चत्वारिंशत्

(C) पञ्च

(D) त्रयोविंशति

36. ब्राह्मणस्य मरणाशौचं कतिदिनात्मकम् ।

ब्राहमणों का मरणाशौच कितने दिन का होता है ।

How many days to constitute a ब्राह्मण's मरणाशौच ?

(A) दश

(B) नव

(C) पञ्चदश

(D) त्रिंशत्

37. मम्मटोक्तानि काव्यप्रयोजनानि सन्ति –

मम्मट के अनुसार काव्य के प्रयोजन होते है –

The काव्यप्रयोजन's as mentioned by मम्मट are -

(A) पञ्च

(B) षट्

(C) सप्त

(D) दश

38. रस: सर्वदा–भवति –

रस सर्वदा होता है –

रस is always -

(A) शब्दरूप:

(B) वाच्यरूप:

(C) अर्थरूप:

(D) व्यंग्यरूप:

39. अस्य मते रसात्मकं वाक्यमेव काव्यं भवति –

इसके मत में रसात्मक वाक्य काव्य होता है –

According to this आचार्य, काव्य is रसात्मक वाक्य –

(A) दण्डिन:

(B) मम्मटस्य

(C) जयदेवस्य

(D) विश्वनाथस्य

40. उपरूपकाणिसन्ति –

उपरूपकों की संख्या होती है –

The number of उपरूपक's is

(A) दश

(B) पञ्चदश

(C) षोडश

(D) अष्टादश

41. श्री कृष्णाचरितम् अस्ति :

श्री कृष्णाचरित मिलता है :

श्री कृष्णाचरित is found in :

(A) शिवपुराणे

(B) बह्मवैवर्तपुराणे

(C) अग्निपुराणे

(D) श्रीमद्भागवतपुराणे

42. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' इति सूक्तिः अस्ति :

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' यह सूक्ति मिलती है :

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' this statement is found in:

(A) रामायणे

(B) शिवपुराणे

(C) स्कन्दपुराणे

(D) महाभारते

43. श्रीमद्भागवतपुराणे स्कन्धा : सन्ति :

श्रीमदभागवतपुराण में स्कन्ध है :

How many स्कन्ध's are there in श्रीमद्भागवतपुराण ?

(A) नव

(B) दश

(C) एकादश

(D) द्वादश

44. मद्वयं भद्वयंचैवेत्यत्र भद्वयेन किं ज्ञायते :

'मद्वयं भद्वयंम्' मंसू इत्यादि श्लोक में मद्वयं से दो पुराणों का ग्रहण किया जाता है :

Which पुराण's are to be understood by मद्वयं in the verse मद्वयं भद्वयञ्च ?

(A) महपुराणं मनुस्मृतिश्च

(B) मार्कण्डेयपुराणम् आदिपुराणं च

(C) मत्स्यपुराणं महापुराणं च

(D) मत्स्ययपुरणं मार्कण्डेयपुराणं च

45. शिवस्वरूपं विमृश्यतेऽत्र –

इसमें शिव स्वरूप का विचार किया जाता है –

The nature of शिव is discussed here -

(A) मीमांसायाम्

(B) आगमे

(C) पुराणे

(D) दर्शने

46. आगमदृष्टया मुक्तेः स्वरूपमस्ति –

आगम की दृष्टि से मुक्ति का स्वरुप है –

In the view of आगम, the nature of मुक्ति is -

(A) प्रपत्तिः

(B) दुःखत्रयस्यात्यन्तिकक्षयः

(C) कर्मानुबन्धक्षयः

(D) सर्वतन्त्रस्वतन्त्रता

47. तन्त्रसारस्य कर्ताऽस्ति –

तन्त्रसार के रचयिता है –

The author of तन्त्रसार is -

(A) वसिष्ठः

(B) बाहरायणः

(C) अभिनवगुप्तः

(D) नारदः

48. वेदान्तेऽस्मिन् सत्तात्रैविध्यमङ्गीकृतम् –

इस वेदान्त में सत्तात्रैविध्य स्वीकृत किया है –

Three fold reality is accepted in this vedanta

(A) अद्वैतवेदान्ते

(B) माध्ववेदान्ते

(C) वल्लभवेदान्ते

(D) विशिष्टाद्वैतवेदान्ते

49. ''परत्र पूर्वदृष्टावभासः'' इसका तात्पर्य अनेन शब्देन अवगतं भवति –

''परत्र पूर्वदृष्टावभासः'' इसका तात्पर्य एक ही शब्द से विदित होता है –

The purport of ''परत्र पूर्वदृष्टावभासः'' is suggested by the word

(A) अज्ञानम्।

(B) मिथ्याज्ञानम्।

(C) अध्यासः।

(D) अभेदः।

50. अद्वैतिभिः प्रतिपादितः ख्यातिवादः अयं भवति–

अद्वैत आचार्यो ने प्रतिपादित किया हुआ ख्यातिवाद है –

The ख्यातिवाद established by the Advaitins is -

(A) अनिर्वचनीयख्यातिः

(B) अख्यातिः

(C) सत्ख्यातिः

(D) अन्यथाख्याति :

- o O o -

Space For Rough Work